Total Pages : 3 Roll No. .....

DPJ-103

विवाह मेलापक एवं गोचर विचार

फलित ज्योतिष में डिप्लोमा (DPJ-17)

तृतीय प्रश्नपत्र-सत्र 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. विवाह को परिभाषित करते हुए उसके प्रमुख उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

2. ग्रहमैत्री, भकूट एवं नाड़ी विचार का उल्लेख कीजिए।

3. कुज दोष से क्या तात्पर्य है? कारण एवं निवारण का लेखन कीजिए।

4. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार स्वास्थ्य एवं सन्तति विचार का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

5. मंगल ग्रह का द्वादश भावों में गोचर फल लिखिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. विवाह किसे कहते है? उसके प्रकार एवं महत्त्व का लेखन कीजिए।

2. दक्षिण भारतीय मिलान पद्धति में वैशिष्ट्य क्या है?

3. जन्मकुण्डली में वर-कन्या के गुण-दोष का विचार कैसे करते हैं?

4. क्या दशा एवं गोचर के आधार पर भी मेलापक होता है? कैसे?

5. चन्द्रमा एवं शुक्र से मांगलिक विचार का उल्लेख कीजिए।

6. अष्टकूट से क्या तात्पर्य है?

7. सम्प्रति मेलापक की उपयोगिता पर प्रकाश डालें।

8. गणों का वर्णन करते हुए बताए कि सामान्य जीवन में उनकी क्या भूमिका है?